

(ख) उन देशों के नाम क्या हैं जिन के साथ भारत हिन्दी में पत्र-व्यवहार करता है और किन्-किन देशों के साथ अंग्रेजी में ?

प्रधान मंत्री तथा बंधेशिक कार्य मंत्री तथा अणुशक्ति मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू) : (क) विदेश-स्थित हमारे मिशनों में कोई हिन्दी दुभाषिया नहीं है। जिन देशों में अंग्रेजी राजभाषा नहीं है, वहाँ उस देश की राष्ट्रभाषा के दुभाषिए सुलभ हैं।

(ख) विदेशों के साथ अंग्रेजी में पत्र व्यवहार किया जाता है। बरहाल, विदेशों की सरकारों को नीचे लिखे पत्र हिन्दी में पेश किये जाते हैं और उनका अंग्रेजी अनुवाद साथ दिया जाता है

नियुक्त समादेश (कमिशन आफ एपाइंट-मेंट)

विश्वास पत्र (लैटर्स आफ क्रिडेंस)  
प्रत्यावाहन पत्र (लैटर्स आफ रिक्वाल)  
परिचय पत्र (लैटर्स आफ इन्ट्रोक्शन)  
प्रशंसा पत्र (लैटर्स आफ रिक्वियान्स)  
मान्यता पत्र (एग्जीक्यूटर्स)

**Exchange of Fire Between Indo-Pak Border Police in J. & K.**

725. { Shri P. C. Borooah;  
Shri Raghunath Singh:

Will the Prime Minister be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there occurred a heavy exchange of fire between Pakistani armed troops and civilians, on the one side and Indian border police and villagers on the other in Chhamb area of Jammu on the 13th July, 1962;

(b) if so, the cause of the fire-exchange; and

(c) casualties, if any, suffered by either side?

**The Prime Minister and Minister of External Affairs and Minister of Atomic Energy (Shri Jawaharlal Nehru):**  
(a) No Sir.

(b) and (c). Does not arise.

12 hrs.

**CALLING ATTENTION TO MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE**

**DIGGING OF TRENCHES BY PAKISTANI ARMED FORCES ALONG THE WEST BENGAL-PAKISTAN BORDER**

**Shri Yash Pal Singh (Kairana):** Sir, under Rule 197 I call the attention of the Prime Minister to the following matter of urgent public importance and I request that he may make a statement thereon:

"Reported digging of trenches by Pakistani Armed Forces along the West Bengal-Pakistani border".

**The Minister of State in the Ministry of External Affairs (Shrimati Lakshmi Menon):** Information has been received from the Government of West Bengal on 13th August, 1962, confirming that some trenches "seem to have been dug" near the Pakistan Border Output Jadarpur, opposite the Indian village Madhupur and Hariapur, about 15 years of the de jure boundary.

The West Bengal Government received a report about the digging of these trenches from the district authorities on the 6th of August, 1962. On the 9th of August, 1962 the West Bengal Government filed a protest with the East Pakistan Government describing the digging of trenches on the Pakistan territory so close to the de jure boundary line as a violation of the ground rules and a contribution to the heightening of tension in the area.

The West Bengal Government also stated on the telephone that the D.I.G. (Border Police) was trying to collect more facts and that close watch was

[Shrimati Lakshmi Menon]

being kept. The West Bengal Government have no further information to give.

**श्री यशपाल सिंह :** क्या मैं जान सकता हूँ कि वेस्ट बंगाल सरकार उस वक्त क्या कर रही थी, जब यह खाइयाँ तैयार की जा रही थीं और इस बारे में सेंट्रल गवर्नमेंट ने कहां इंटरवीन किया है ?

**प्रधान मंत्री तथा बंदेशिक-कार्य मंत्री तथा अणु शक्ति मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू) :** ये जो ट्रेंचिंग खोदी गई है, ये पाकिस्तान में हैं—ये हिन्दुस्तान में नहीं हैं। ये बार्डर के उस पार हैं। हमें जो एतराज है, वह यह है कि उन्होंने ने इन ट्रेंचिंग को बार्डर के इतने पास खोदा है कि जो हमारे समझते के, जिसे ग्राउंड रूज कहते हैं, कुछ खिलाफ पड़ता है। इस लिये यह नामुनासिब है।

**श्री प्रकाशवीर शास्त्री (बिजनौर) :** जैसाकि अभी प्रधान मंत्री जी ने संकेत दिया है, भारत और पाकिस्तान में समझौते के अन्तर्गत जो ग्राउंड रूज तय किये गये थे, ऐसा करना उन ग्राउंड रूज का उल्लंघन करना है। क्या मैं जान सकता हूँ कि क्या भारत सरकार की ओर से इस सम्बन्ध में कोई विरोधपत्र भेजा गया है ? यदि हाँ, तो पाकिस्तान की ओर से इस का क्या उत्तर आया है ?

**श्री जवाहरलाल नेहरू :** अभी कहा गया है कि विरोध-पत्र भेजा गया है। ग्राउंड रूज में कोई यह नहीं लिखा गया है कि कोई ट्रेंचिंग न खोदी जाये। यह लिखा है कि सरहद के करीब कोई ऐसी बात न की जाय, जिस से लोगों को फ़िक्र और परेशानी हो। यह आम कायदा है हम समझते हैं कि यह नामुनासिब है कि सरहद के थोड़ी दूर उस पार अपनी तरफ भी व ट्रेंचिंग खोदे। हम ने इस बारे में विरोध-पत्र भेजा है।

**Shri S. M. Banerjee (Kanpur):** I want to know whether it is a fact that the places where the trenches have been dug are just 60 miles from Calcutta and if so I want to know what steps have been taken to see that our forces also remain and watch the position and their activities.

We must keep an eye on this so that the digging may not go on. They may dig their own graves!

**Mr. Speaker:** He wants to know whether any protective measures are being taken by our people because they are digging trenches near our border.

**Shri Jawaharlal Nehru:** I do not quite understand what protective measures to be taken against a trench! It would simply mean we should be wide awake.

**Shri S. M. Banerjee:** You should keep an eye on it.

**Shri Dinen Bhattacharya (Serampore):** May I know whether it is a fact that these actions are taken by the Pakistan Government only to distract the attention of the East Pakistan people from the movement for a democratic form of Government which is going on there?

**Mr. Speaker:** That is a matter of opinion.

**Shri H. P. Chatterjee (Nabadwip):** This is not the first time that they are digging trenches. They have dug trenches on our side too. When they have posted the military on that side, why should we not also have military on this side? That is my question. That should be done especially when all our people there, on the border, are suffering and....

**Mr. Speaker:** Order, order. Let him put the question.

**Shri H. P. Chatterjee:** I am putting it. Is it not a fact that the people on

this side of our border are passing sleepless nights since their lives and properties are not safe and on that side there is the military? If so, what is the reason that the military should not be posted on this side also?

**Shri Jawaharlal Nehru:** I really do not know how to answer it, because the military are round about; whether they are on the exact spot, I cannot say. There is the police and there is the military, all of them. But why people should pass sleepless nights because somebody is digging trenches, I do not understand.

**Shri H. P. Chatterjee:** Because this side is not protected. That is my point.

**Mr. Speaker:** Order, order.

#### TRAIN BUS COLLISION NEAR KASHIPUR

**श्री बागड़ी (हिसार) :** अध्यक्ष महोदय, मैं नियम १६७ के अन्तर्गत रेल मंत्री का ध्यान निम्न अविलम्बनीय लोक-महत्व के विषय की ओर आकृष्ट करता हूँ और चाहता हूँ कि वह इस सम्बन्ध में अपना वक्तव्य दें :—

“उत्तर प्रदेश के नैनीताल ज़िले में काशीपुर के समीप राजकीय परिवहन विभाग की एक गाड़ी की मालगाड़ी से टक्कर और फलस्वरूप एक व्यक्ति की मृत्यु और कई व्यक्तियों का घायल होना।”

रेलवे मंत्रालय में उपमंत्री श्री शाह-नवाज खाँ) : श्री मणिराम बागड़ी के ध्यान-आकर्षण नोटिस (काल अटन्शन नोटिस) के सम्बन्ध में मुझ सदन को यह सूचित करना है कि ६-५-६२ को दिन में लगभग १० बज कर २२ मिनट पर, जब १३० डाउन सवारी गाड़ी पूर्वोत्तर रेलवे की काशीपुर-लालकुआँ शाखा लाइन पर काशीपुर और

सरकरा स्टेशन के बीच जा रही थी, यू० पी० रोडवज़ की एक बस से टकरा गई। उस समय पर चौकीदार नहीं रखा गया है।

इस टक्कर के कारण बस का ड्राइवर तुरन्त मर गया और बस में सवार आठ मुसाफ़िरों को मामूली चोटें आयी। ज़ख्मियों की उसी जगह पर मरहम-पट्टी की गई और उन्हें जाने दिया गया। रेल गाड़ी के किसी मुसाफ़िर या रेल कर्मचारी को कोई चोट नहीं आई।

**श्री बागड़ी :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि नित्य नये ये जो ऐक्सिडेंट होते हैं, उन को दृष्टि में रखते हुए वह श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की कायम की हुई प्रथा के मुताबिक अमल करेंगे कि ऐक्सिडेंट की बिना पर अपना इस्तीफ़ा दे दिया जाये ? क्या कर्नल साहब भी ऐसा करेंगे ?

**अध्यक्ष महोदय :** क्या माननीय सदस्य इस मामले के बारे में कोई सवाल करना चाहते हैं ?—पेपरज टु बि लेड आन दि टेबल।

**श्री बागड़ी :** अध्यक्ष महोदय, मैं यह जानना चाहता हूँ कि क्या उन का ऐसा विचार है या नहीं ?

**अध्यक्ष महोदय :** अगर ऐसा विचार होता तो वह माननीय सदस्य के सामने जाता।

Papers to be Laid on the Table.  
The Prime Minister

**श्री बागड़ी :** स्पीकर साहब, आन ए प्वाइंट ऑफ़ ऑर्डर। मैं आपसे अर्ज कलंगा कि लद्दाख़ की सरहदों के बारे में बहस के लिए वक्त रखते हुए यह बात रक्खी गई थी कि ज्यादा से ज्यादा वक्त दिया जायेगा। बार-बार तो ऐसे मसलों पर सदन में विचार नहीं किया जाता है। सदन के सामने यह एक अहम मसला है और अभी इस पर पूरी तरह से विचार नहीं हुआ है। मैं आपसे अर्ज कलंगा कि इससे पहले कि प्रधान मंत्री जी जवाब